हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 26 अक्टूबर 2026

11 कांग्रेसियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश का पुतला ...



12 वैश्य कॉलेज ने जीती युवा महोत्सव उत्कर्ष...



खबर संक्षेप

प्रत्येक मंगलवार को लगेगी बिजली अदालत

भिवानी। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा भिवानी और चरखी दादरी के बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए प्रत्येक मंगलवार को बिजली अदालत लगाई जाएगी। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के दिशा-निर्देशों और डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में यह आयोजन बीटीएम रोड स्थित अधीक्षण अभियंता कार्यालय में होगा। अधीक्षण अभियंता जितेंद्र ढुल ने बताया कि मंगलवार, 27 अक्टूबर को सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक बिजली अदालत आयोजित की जाएगी। इसमें बिजली बिल, मीटर, नए कनेक्शन और वोल्टेज संबंधी शिकायतें सुनीं जाएंगी। समस्याओं के समाधान के लिए दोनों जिलों के कार्यकारी अभियंता और उपमंडल अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

ट्रैक्टर व कार की टक्कर में एक की मौत, दो घायल

बहल। पातवान-झुंपा रोड पर शनिवार शाम ट्रैक्टर और कार की टक्कर में युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए बहल के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस थाना प्रभारी उग्रसेन ने बताया कि कार में जयदेव निवासी नांगल, अनिल निवासी खेड़ी बड़ी (हिसार) और गोलू निवासी गूगलवा सवार थे। पातवान-झुंपा रोड पर सामने से आ रहे ट्रैक्टर से कार की टक्कर हो गई। हादसे में जयदेव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अनिल और गोलू घायल हो गए। ट्रैक्टर चालक की पहचान रघुवीर निवासी सुरपुरा कलां के रूप में हुई है।

अखिल भारतीय किसान सभा ने फसलों में हुए नुकसान का जायजा लिया

भारी ओलावृष्टि से फसलें बर्बाद, गिरदावरी करवाकर 50,000 रुपये मिले मुआवजा







तोशाम। देर शाम गिरे ओलों का दृश्य (फाइल फोटो) और ओलावृष्टि से हुए नुकसान की भरपाई की मांग करते किसान।

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

■ रबी की आगामी बुवाई पर भी मंडराया संकट, प्रभावित किसानों को तुरंत खाद व जरूरी कृषि संसाधन उपलब्ध करवाने की मांग

क्षेत्र में गत रात्रि हुई भारी ओलावृष्टि से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। ओलावृष्टि के कारण फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, वहीं आगामी रबी फसल की बुवाई पर भी संकट मंडराने लगा है। रविवार को अखिल भारतीय किसान सभा के जिला सचिव मास्टर जगरोशन के नेतृत्व में किसान सभा ब्लाक प्रधान कर्ण सिंह जैनावास, ब्लाक सचिव नरेन्द्र डाडम, ब्लाक कोषाध्यक्ष रणधीर सांगवान की टीम ने विभिन्न प्रभावित गांवों का दौरा कर फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया।

किसान सभा की टीम ने मिराण, बिडौला, ढाणी सरल, सरल, थिलौड़, छपार रांगड़ान, खरकड़ी, माखवान और लक्ष्मणपुरा सहित विभिन्न गांवों में ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों की स्थिति का जायजा लिया। टीम ने पाया कि ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। पहले से ही खेती की बढ़ती लागत और कृषि संबंधी समस्याओं से जूझ रहे किसानों के सामने अब आर्थिक संकट और गहरा गया है। इससे आगामी रबी फसल की तैयारी और बुवाई करना भी किसानों के लिए मुश्किल हो सकता है। अखिल भारतीय किसान सभा ने राज्य सरकार से मांग की है कि ओलावृष्टि से प्रभावित सभी गांवों में तुरंत विशेष गिरदावरी करवाई जाए और नुकसान का निष्पक्ष आकलन करके किसानों को न्यायसंगत मुआवजा दिया जाए। किसान सभा ने प्रभावित किसानों को कम से कम 50,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग की है, ताकि किसान इस आर्थिक नुकसान से उबर सकें और अगली फसल की तैयारी कर सकें। किसान सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल और जिला उपप्रधान कामरेड ओम प्रकाश ने कहा कि सरकार को ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए तत्काल राहत के कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि समय पर राहत नहीं मिलने से किसानों के सामने रबी फसल की बुवाई का संकट खड़ा हो सकता है। इसलिए सरकार प्रभावित किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद और अन्य आवश्यक कृषि संसाधन समय पर उपलब्ध करवाए।

ओलावृष्टि से बर्बाद फसलों का इनेलो नेताओं ने लिया जायजा, मांगा मुआवजा

चरखी दादरी। क्षेत्र में ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए इंडियन नेशनल लोकदल के पदाधिकारियों ने विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान नेताओं ने साहुवास, पैंतावास, चरखी और डोहकी सहित आसपास के गांवों में खेतों में पहुंचकर प्रभावित फसलों की स्थिति देखी और किसानों से बातचीत कर नुकसान की जानकारी ली। इनेलो नेता दिनेश सांगवान, महिला जिला प्रधान इंदुबाला और किसान सेल के हलका प्रधान चांद सिंह के नेतृत्व में दौरा किया।

इनेलो नेताओं ने कहा कि ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में खड़ी फसलें ओलों की मार से जमीन पर बिछ गई हैं। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और उनकी सालभर की मेहनत व फसल पर किया गया खर्च प्रभावित हुआ है। इनेलो पदाधिकारियों ने सरकार और प्रशासन से मांग की कि ओलावृष्टि से प्रभावित गांवों में जल्द विशेष गिरदावरी करवाकर प्रभावित किसानों को प्रति एकड़ के हिसाब से उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को आर्थिक संकट से राहत दिलाने के लिए मुआवजा वितरण की प्रक्रिया में देरी नहीं होनी चाहिए। सरकार ने किसानों को राहत देने में देरी की तो इनेलो उनके हकों के लिए आवाज उठाएगी। इस अवसर पर राजेंद्र जाखड़, सोमबीर कमोद, सोनू मोड़ी, पप्पू पैंतावास, नसीब साहुवास, रविंद्र व बबलू डोहकी आदि मौजूद रहे।



भिवानी। खाद की किल्लत को लेकर चर्चा करते हुए। फोटो : हरिभूमि

डीएपी खाद और बीज की किल्लत पर जताई गहरी चिंता, समाधान की मांग

भिवानी। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में रविवार को भारतीय किसान संघ की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता जिला युवा अध्यक्ष पवन लक्ष्मणपुरा तथा जिला मंत्री जेपी बराला ने की। बैठक में मुख्य रूप से रबी फसलों की बुवाई के इस नाजुक दौर में जिले भर में किसानों को पेश आ रही डीएपी खाद और प्रमाणित बीजों की भारी कमी के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री महीपाल बड़दु ने कहा कि इस समय किसान गेहूं और सरसों की बुवाई की तैयारी में पूरी ताकत से जुटा हुआ है, लेकिन मंडियों और सहकारी समितियों में डीएपी खाद न मिलने से किसान दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। खाद वितरण केंद्रों पर किसानों की लंबी कतारें लगी हैं, जिससे न केवल उनका समय बर्बाद हो रहा है बल्कि बुवाई में भी देरी हो रही है। उन्होंने प्रशासन और सरकार से मांग की कि भिवानी जिले के सभी खंडों में पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद और गुणवत्तापूर्ण बीज की निर्बाध आपूर्ति तुरंत सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार का नुकसान न उठाना पड़े। जिला युवा अध्यक्ष पवन लक्ष्मणपुरा और जिला मंत्री जेपी बराला ने कहा कि डीएपी की कालाबाजारी और जबरन अन्य उत्पादों को साथ टैग करने जैसी शिकायतों पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। डॉ. धर्मबीर दहिया ने किसानों को संगठित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि किसान देश का पेट भरता है, इसलिए उसकी बुनियादी जरूरतों की अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही बैठक में कुलदीप महला, राजाराम, रामचंद्र, सुरेंद्र, रणधीर, राकेश, नरेन्द्र, अजमेर तालू, सज्जन धनाना, राज सिंह तालु, बलबीर सहारण सहित भारी संख्या में किसान एवं संघ के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

12 गांवों में बारिश व ओलावृष्टि से धान-कपास की फसल को नुकसान, रिपोर्ट मुख्यालय भेजी

चरखी दादरी। जिले में शुक्रवार को हुई बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का प्रशासन ने आकलन पूरा कर रिपोर्ट तैयार कर ली है। रिपोर्ट के अनुसार, जिले के 12 गांवों में धान और कपास की फसल प्रभावित हुई है। राजस्व विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 11,765 एकड़ धान और 190 एकड़ कपास की फसल को नुकसान पहुंचा है।प्रभावित गांवों में पैंतावास कलां, अखत्यारपुरा, घीकाड़ा, साहुवास, लोहरवाड़ा, खातीवास, समसपुर, कमोद, रावलधी, चरखी, फतेहगढ़ और दादरी का राजस्व क्षेत्र शामिल है। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि बारिश और ओलावृष्टि के बाद राजस्व विभाग के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर नुकसान की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद पटवारियों के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों का विवरण जुटाया गया। अब रिपोर्ट आगामी कार्रवाई के लिए मुख्यालय भेजी जाएगी। किसानों को राहत देने के संबंध में निर्णय मुख्यालय स्तर पर लिया जाएगा।





खेलों में हरियाणा

भारतीय खेलों में हरियाणा का स्थान अत्यंत प्रमुख और अग्रणी है। देश की कुल आबादी का केवल लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के अधिकांश पदक इसी राज्य से आते हैं। ओलंपिक खेलों में भारत द्वारा जीते जाने वाले कुल पदकों में से आधे से अधिक पदक हरियाणा के खिलाड़ियों के नाम होते हैं। नीरज चोपड़ा, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, रवि कुमार दहिया और बजरंग पूनिया जैसे कई बड़े खिलाड़ियों का संबंध हरियाणा से है।

हरियाणवी लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना के स्वर

लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है।



संस्कृति

सत्यवीर नाहड़िया



देश और दुनिया में अपनी स्वर्णिम सैनिक संस्कृति तथा समृद्ध शहादत परंपरा के लिए विख्यात वीरभूमि हरियाणा की अनूठी लोक संस्कृति में लोकगीतों का अपना विशिष्ट मौलिक महत्व है। जय जवान, जय किसान का प्रतिरूप यह सैन्य प्रदेश भले ही आबादी तथा क्षेत्रफल के आधार पर देश का दो फ़ीसदी के आसपास है, किंतु इसके समृद्ध सैन्य इतिहास का अंदाजा इस पहलू से लगाया जा सकता है कि भारतीय सेना में हर दसवां जवान हरियाणवी है। इसी प्रकार शहादत परंपरा में भी इस वीर प्रसविनी धरा ने उच्च आदर्श एवं कीर्तिमान स्थापित किए हैं। बात चाहे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की रही हो या पहले व दूसरे विश्व युद्ध की, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्रव्यापी संघर्ष की रही हो या फिर आजादी प्राप्ति के बाद भारत-चीन की 1962, भारत-पाक के बीच 1965, 1971 व 1999 की लड़ाइयों की रही हो या फिर विभिन्न शांति ऑपरेशंस की हो, हरियाणा के रणबांकुरों ने अपने बलिदान एवं अदम्य साहस से निरंतर इतिहास लिखा है। इस माटी के लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना की इस भावभूमि को सहज ही महसूस किया जा सकता है।

लोकगीत लोक के गीत होते हैं, लोक मानस के गीत, जनमन के गीत, जिनमें लोकाचार लोक विश्वास, लोक परंपराएं, लोकजीवन, लोक मूल्य तथा इन सबसे जुड़ी विस्तृत सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अंतर्निहित होती है। यही कारण है कि लोकगीतों का अपना ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, नैतिक तथा मनोवैज्ञानिक महत्व होता है। लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है। लोकगीतों के रचनाकार तथा रचना स्थल निर्धारित नहीं होते, क्योंकि वे किसी रचनाकार विशेष की संपदा न होकर समूचे लोक की अनूठी विरासत होते हैं। हरियाणा के लोकगीतों का फलक बेहद विस्तृत व समृद्ध रहा है, किंतु इस आलेख में हम संक्षिप्त एवं प्रतीक रूप में केवल राष्ट्रीय चेतना से जुड़े लोकगीतों की चर्चा करेंगे।

घर-घर फौजी वाले हरियाणा प्रदेश के चप्पे-चप्पे में शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों, जांबाज सैनिकों के अनूठे बलिदान शौर्य और त्याग की मार्मिक कहानी व्याप्त है। आजादी से पहले तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हरियाणा की सैन्य परंपरा ने देश व प्रदेश के सैनिक इतिहास को निरंतर समृद्ध करते हुए अनेक स्वर्णिम अध्याय लिखे हैं,जिसके चलते हरियाणा प्रदेश तथा सैन्य परंपरा एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं। इन तमाम तत्वों एवं पहलुओं की पृष्ठभूमि को हरियाणा प्रदेश के लोकजीवन के संस्कारों तथा इन्हीं विषयों पर केंद्रित लोकगीतों से बखूबी समझा जा सकता है। इस वीर प्रसूता धरा के लोकगीतों में कहीं फौज में भर्ती होने की प्रेरणा है, तो कहीं कुल की आन निभाने का संकल्प, कहीं विरह वेदना के मार्मिक शब्दचित्र हैं, तो कहीं शहादत का भावपूर्ण मार्मिक चित्रण। इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है, एक चर्चित लोकगीत में यह भावभूमि कुछ इस प्रकार है-

खाकी बड़दी पहर लई मनै, कर लिया हार सिंगार।
फौज म्हं चालूंगी ओ पिया, ले सारे हथियार।।

इसी प्रकार एक अन्य लोकगीत में नवविवाहिता को विरह वेदना में छोड़कर फौज में भर्ती होने वाले नौजवान पति के प्रति उसकी मार्मिक भावनाएं मुखरित हुई हैं-

हे री मेरी गळ की गळसरी बेच, पति नै घोड़ा ले लिया हे..!
वो तै दूर गया बेपरीता, जाय अंबाळा पोहंचा हे...
उनै गेरा जुबानी तार, माता ए हम तै भरती हो लिया हे..
मेरी सासू बुज्झै बात- बहू तेरा के के लेग्या हे...?
हे मेरा लेग्या हारसिंगार, चैन तै सारा लेग्या हे...

इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है।

दिन की लेग्या भूख, रात की निंदिया लेग्या हे...
मेरा लेग्या हँसना-सुभाव, मनै उदासी दे गया हे...!!

हरियाणा प्रदेश में पड़ोसी देशों के साथ हुए युद्धों पर भी कुछ लोकगीत प्रकाश में आए हैं। एक लोकगीत में एक बहन अपने फौजी भाई से युद्ध में पीछे कदम न हटाने की बात कहकर जोश भरती है -

पापी दुसमन खड्या पहाड़ सा,खड्या-खड्या सब लुट्टै सै...!
म्हारे देस पै हमला कर दिया पापी पाकिस्तान नै..!
मत उलटा हटाइए रै, ओ माँ के जाए बीर...!!

हरियाणा प्रदेश में आर्य समाज का अच्छा खासा प्रभाव रहा है, जिसके चलते यहां के लोकगीतों में आर्य समाज से जुड़ी भावभूमि, राष्ट्रीयता तथा संस्कारों की भावना देखी जा सकती है-

आओ भाणो मिलकै सारी दयानंद की जै बोल्लो...!
आर्य समाज में आया करो, थम धक्के खाती मत डोल्लो...!
देस का मन बढ़ाणा सीखो,
पढ़णा और पढ़ाणा सीखो,
देस-धरम हो सबतै पहलम,
बच्चां नै समझाणा सीखो।
बलिदान नै सीस नवावो,
नहीं भूलकै कम तोल्लो..!
आओ भाणो मिलकै सारी,
दयानंद की जै बोल्लो...!!

इस सैनिक संस्कृति तथा सामाजिक क्रांति की अलख के अलावा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आदि से से जुड़े अनेक लोकगीत राष्ट्रीय चेतना के पर्याय कहे जा सकते हैं।

हरियाणा के लोकगीतों में शहादत के बेहद मार्मिक पक्ष भावविभोर कर देते हैं। राष्ट्रीय चेतना के सच्चे संवाहक इन लोकगीतों से हरियाणा की वीरभूमि की कुर्बानियों का मर्म सहज ही समझा जा सकता है। एक ऐसे ही लोकगीत की बानगी-

वा काढ़ जनाना,ले मर्दाना,हुई सीम की राही।
बाबूजी मनै पिया मिला दे,सूरत सिंह की ब्याही।
ऐ रोवा मत ना बेटी बावळी, रोया ना करिए। जिसकी खूज्या चीज रेत म्हं,टोह्या ना करिए।
क्यूं ना टोहूं चीज रेत म्हं,हिंद पै ज्यान गँवाई..!
क्यूंकर सबर करूं बाबूजी,सगी नणद का भाई...!!

कुल मिलाकर ऐसे सैकड़ों लोकगीत हरियाणा प्रदेश की सैन्य संस्कृति तथा शहादत परंपरा के प्रमाण होने के साथ पीढ़ी दर पीढ़ी राष्ट्रीय चेतना के अनूठे माध्यम बनाकर इस वीर भूमि की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय चेतना के पक्षधर, पोषक व सजग प्रहरी इन अनमोल लोकगीतों पर अभी बहुत कार्य होना बाकी है।

जरूरत इस बात की है कि हरियाणा प्रदेश के राष्ट्रीय चेतना पर आधारित ऐसे सभी लोकगीतों को एकत्रित कर उन पर शोध कार्य करते हुए प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु कार्य किया जाए।

कविता

सुधीर ढांडा



बँधी हो जैसे डोर तै पतंग

तू सै मेरे दिल की उमंग,
बँधी हो जैसे डोर तै पतंग,
साँसे तेरी महकती ऐसे,
जैसे फैली सै हवा मै तरंग।

कमर तेरी यूँ बल खावै ,
जैसे लहरावै खेत मै भुजंग।
मुँह बटवा सा, नाक सुवा सा ,
हो नै जावै तेरी किसे तै जंग।

आँख याँ तेरी मोटी मोटी,
हो जैसे कोई डूंगी सुरंग।
सम्भल कर निकलणा घर तै,
कदे पाछै पड़ जै कोई मलंग।

हर मोड़ मै इब रावण खडे सै,
कर देवेंगे तैनै आँदी जांदी नै तंग।
पता नी कितने होए सै घायल,
देख कै तेरा यूँ सांवला रंग।

हेमा, रेखा, काजल, सब फीकी पड़गी,
देख कै तेरे इस फैशन का ढंग।
क्यूँ भटकै सै छोरी तू इधर उधर,
जोड़ी बणा ले सुधीर कौल के संग

गीत

दलबीर 'फूल'



बचाल्यो हरियाणा रै

या पछवा बाळ करै कमाल, लेकै खास उडारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी

हरियाणा के जमिंदार सदा मसत रहया करते
सरदी, गरमी, बरसा सारी तन पै सहया करते
मुहंकै ऊप्पर साच्ची-साच्ची बात कहया करते
मात पिता गुरुजनों की सदा सीख लहया करते
आदर मान उड़ा लेग्यी ईब चालैं तेग दुधारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..1

मंहगाई सिर चढकै बोल्ली ना कोय भी मोल रहे
डब्बा बंध पैकिंग होग्यी ना पहले आळे तोल रहे
भाई-भाई इब दुश्मन होग्ये नही प्यार के बोल रहे
दामण चीर ओढणा आंगी ना पांया मैं रमझोळ रहे
ना वो नेजू डोल रहये ना कूवे की पणिहारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...2

फागण के मैं गाई जा वो धमाल ना रही
लहरा बीन किलांट की सुर ताल ना रही
पिच्चू, पींहल, खूग्यी सारी, वो जाळ ना रही
सस्ता भोजन गरीब की वो दाळ ना रही
सटाल ना रही वो पिछली, बदल गये पंसारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..3

बड़ पिपळ मैं घाल पींघ छोहरी पींघ चढाया करती
सखी सहेली मिलकै सिंझया झोड़ तिराया करती
सुहाग भाग की खात्यर सब कात्यक नहाया करती
मेरा नो डाण्डी का बीजणा लोक गीत गाया करती
ईब गावैं सीला की जवानी ईलू - ईलू कवांरी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विरासत

हमारी रसोई का पारंपरिक बर्तन हुआ करती थी ग्रामीण जीवन की एक भूली-बिसरी पहचान

पलिया : दूध की हर बूंद का हिसाब रखने वाला पारंपरिक बर्तन



जनजीवन

रवि यादव

कभी गांव के कच्चे घरों की दीवारों पर टंगी छोटी-बड़ी वस्तुएं केवल घरेलू सामान नहीं हुआ करती थीं, बल्कि वे हमारी जीवनशैली, परंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवंत गवाह भी थीं। ऐसी ही एक वस्तु है पळिया, जिसे हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों में पला, पळि या पळिया जैसे नामों से जाना जाता रहा है।

बिना लिपाई-पुताई वाली किसी कच्ची दीवार में गाड़ी गई कील पर टंगा यह छोटा-सा धातु का बर्तन आज भले ही सामान्य लगे, लेकिन चार-पांच दशक पहले ग्रामीण जीवन में इसका विशेष महत्त्व हुआ करता था। चालीस-पचास वर्ष की आयु पार कर चुके लोगों के लिए यह बर्तन बचपन की उन स्मृतियों को ताजा कर सकता है, जब घर में दूध की कढ़ावनी चढ़ती थी और परिवार के प्रत्येक सदस्य तक दूध पहुंचाने की जिम्मेदारी घर की बुजुर्ग महिलाओं के कंधों पर होती थी।

पशुधन और दूध से जुड़ा था ग्रामीण जीवन

चार-पाँच दशक पहले हरियाणा के अधिकांश ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या खेती और पशुपालन के इर्द-गिर्द घूमती थी। गाय, भैंस और बैल केवल पशु नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक व्यवस्था का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हुआ करते थे। घर में दुधारू पशु होना समृद्धि और आत्मनिर्भरता का प्रतीक माना जाता था। सुबह-शाम दूध दुहना, उसे गर्म करना, बच्चों को पिलाना, दही जमाना, मक्खन निकालना और घी तैयार करना ग्रामीण महिलाओं की नियमित दिनचर्या में शामिल था। घर का दूध, घर का दही और घर का घी परिवार की जरूरतों को पूरा करते थे। इसी दूध-केंद्रित घरेलू व्यवस्था में पळिया जैसे छोटे बर्तन की अपनी उपयोगिता थी।

बड़े कुनबे और माताओं का अपना गणित

उस समय परिवार बड़े हुआ करते थे। एक ही घर में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची और कई बच्चे साथ रहते थे। रसोई की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं के पास होती थी। परिवार के प्रत्येक सदस्य की जरूरत का ध्यान रखना आसान काम नहीं था। सीमित साधनों के बावजूद घर की बुजुर्ग महिलाएं अपने अनुभव और समझ से पूरी व्यवस्था संभालती थीं। वे अनपढ़ भले ही रही हों, लेकिन घरेलू प्रबंधन में उनका अनुभव किसी गणितज्ञ से कम नहीं था। किस बच्चे को कितना दूध देना है, किसके लिए रोटी बचाकर रखनी है और सुबह के दूध में से शाम तक की जरूरत कैसे पूरी करनी है, इसका हिसाब उन्हें अच्छी तरह मालूम रहता था। न कोई लिखित सूची, न कोई कैलकुलेटर और न ही माप-तौल के आधुनिक उपकरण। अनुभव ही उनका सबसे बड़ा ज्ञान था। ऐसे ही घरेलू गणित को आसान बनाने में पळिया महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता था। यह केवल दूध निकालने का साधन नहीं था, बल्कि बड़े परिवार की रसोई व्यवस्था का एक उपयोगी हिस्सा था। ग्रामीण घरों में दूध गर्म करने के लिए प्रायः



मटकेनुमा कढ़ावनी का इस्तेमाल किया जाता था। इसे चूल्हे या हारे में रखकर दूध गर्म किया जाता था। रात को जब चूल्हे पर रोटियां बनतीं, तब घर के बच्चों को खाना खिलाने का क्रम शुरू होता था। उस समय आज की तरह हर घर में अनेक प्रकार की सब्जियां और व्यंजन बनाने का चलन सामान्य नहीं था। रोटी, दूध, दही, छाछ और घर में उपलब्ध दूसरी चीजें ही भोजन का आधार होती थीं। कढ़ावनी से सीधे दूध निकालना सुविधाजनक नहीं था। उसका आकार और गर्मी, दोनों ही इस काम को कठिन बना सकते थे। ऐसे में पळिया काम आता था। इसकी बनावट कुछ ऐसी होती थी कि इसे कढ़ावनी में डालकर दूध निकाला जा सकता था। इसकी लंबी डंडी पकड़ने में सहायक होती थी और हाथ को गर्म बर्तन की आंच से अपेक्षाकृत दूर रखती थी। घर की बुजुर्ग महिला पळिया को पकड़कर कढ़ावनी में डालती, दूध निकालती और फिर परिवार के सदस्यों के बर्तनों में उनकी आवश्यकता के अनुसार दूध डाल देती।

दूध मापने का देसी तरीका

पळिया की उपयोगिता का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी था कि उससे दूध की मात्रा का अनुमान लगाना आसान हो जाता था। आकार के अनुसार एक बार में पाव भर या उससे कुछ कम-ज्यादा दूध निकाला जा सकता था। यह मात्रा बर्तन के आकार पर निर्भर करती थी। इस प्रकार घर में दूध बाँटने के लिए अलग-अलग माप के उपकरणों की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। आज बाजार में दूध मापने के लिए विभिन्न प्रकार के मापक बर्तन और आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं, लेकिन उस समय घरेलू जरूरतों के लिए पळिया जैसा साधन ही पर्याप्त था।

दूध तक सीमित नहीं था इसका उपयोग

पळिया का इस्तेमाल केवल दूध निकालने के लिए ही नहीं होता था। इसकी लंबी डंडी और छोटी कटोरीनुमा बनावट इसे दूसरे घरेलू कामों के लिए भी उपयोगी बनाती थी। थोड़ी-सी मात्रा में सरसों का तेल गर्म करना हो या दीपक की ज्योत जलाने के लिए घी गर्म करना हो, ऐसे अवसरों पर भी इसका प्रयोग किया जा सकता था। उस दौर में घरों में हर काम के लिए अलग-अलग बर्तन उपलब्ध नहीं होते थे। उपलब्ध वस्तुओं का अधिकतम उपयोग करना ग्रामीण जीवन की विशेषता थी। किसी बर्तन को बेकार छोड़ने के बजाय उससे कई तरह के काम लिए जाते थे। पळिया भी इसी उपयोगितावादी सोच का हिस्सा था।

लोहारों की आजीविका का साधन

पळिया हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उस स्वरूप की भी याद दिलाता है, जिसमें गाँव के अलग-अलग कारीगर एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते थे। लोहार लोहे के औजार और घरेलू उपयोग की वस्तुएँ बनाते थे। कुछ क्षेत्रों में पळिया लोहे के अलावा पीतल या अन्य धातुओं से भी बनाया जाता था। लोहारिन गाँवों में अपने हाथों से बनाए बर्तन और दूसरी वस्तुएं बेचने आती थीं। इस तरह श्रम, कौशल और घरेलू जरूरतों के बीच एक पारस्परिक संबंध बना हुआ था।

विरासत को सहेजना जरूरी

हमारी ग्रामीण विरासत केवल हवेलियों, पुराने कुओं, तालाबों और ऐतिहासिक इमारतों तक सीमित नहीं है। रसोई के पुराने बर्तन, खेती के औजार, पशुपालन में काम आने वाली वस्तुएँ और घरों में प्रयोग होने वाले पारंपरिक उपकरण भी हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं। पळिया जैसी वस्तुओं को सहेजने का अर्थ केवल पुराने बर्तनों को जमा करना नहीं, बल्कि उस जीवन-पद्धति को समझना है जिसमें कम साधनों में अधिक काम किया जाता था। इनके माध्यम से नई पीढ़ी जान सकती है कि हमारे पूर्वज किस प्रकार अपनी आवश्यकताओं को पूरा करते थे, स्थानीय कारीगरों की क्या भूमिका थी और परिवार तथा पशुधन एक-दूसरे से किस प्रकार जुड़े हुए थे।

अभिषेक पंडित ने बैकग्राउंड म्यूजिक से बनाई विशेष पहचान



कलाकार

पुनित शर्मा



अभिषेक पंडित भारतीय संगीत जगत के एक प्रतिष्ठित पार्श्व संगीत निर्माता, संगीतकार और साउंड इंजीनियर हैं। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में जन्मे अभिषेक की प्रारंभिक शिक्षा वहीं हुई तथा उन्होंने राजस्थान बोर्ड से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। बचपन से ही उनकी रुचि संगीत में थी और वे पांचवीं कक्षा से ही तबला बजाने लगे थे। हालांकि उनके परिवार का संगीत से कोई दूर-दूर तक नाता नहीं था और माता-पिता चाहते थे कि वे पढ़ाई-लिखाई करके एक इंजीनियर बनें। इसके बावजूद अभिषेक ने अपने भीतर के जुनून का अनुसरण किया और संगीत को ही अपने जीवन का मुख्य लक्ष्य बनाने का निर्णय लिया।

पढ़ाई में भी वे काफी प्रतिभाशाली थे। 12वीं के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन में प्रवेश लिया। कॉलेज के इसी दौर में उन्होंने कीबोर्ड बजाना शुरू किया और विभिन्न मंचीय कार्यक्रमों (स्टेज शो) में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। छत्तीसगढ़ की समृद्ध और पुरानी संगीत परंपरा से जुड़कर उन्होंने वहां की स्थानीय संगीत इंडस्ट्री में एक कीबोर्ड प्लेयर के रूप में कार्य किया तथा अनेक लोकप्रिय गीतों की रिकॉर्डिंग में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सफर के दौरान अभिषेक महान संगीतकार एवं गायक रवीन्द्र जैन को अपना आदर्श मानने लगे। वहीं उनके व्यक्तिगत गुरु के रूप में श्याम सारथी का मार्गदर्शन मिला, जो छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग में एक संगीत निर्देशक थे। उन्होंने प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ गिटार वादन कर चुके रुपेंद्र श्रीधर से भी संगीत की गहन तालीम हासिल की। इन सभी गुरुओं के सान्निध्य में रहकर उन्होंने बीजीएम निर्माण, म्यूजिक स्कोरिंग और इंस्ट्रूमेंट अरेंजमेंट की बारीकियों को समझा। उन्होंने लगभग दो वर्षों तक ओड़िया संगीत उद्योग में कार्य किया और कई फिल्मों के लिए ट्रैक तथा संगीत तैयार किए। इसी कार्य अनुभव के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि आज के डिजिटल युग में तकनीकी ज्ञान होना भी उतना ही आवश्यक है। वर्ष 2003 से वे पेशेवर रूप से संगीत क्षेत्र में सक्रिय हो गए। कंप्यूटर और आधुनिक डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग सीखने का निर्णय लिया और इसके लिए चेन्नई चले गए। चेन्नई में उन्होंने टी. एन. दास के सहायक के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने ऑडियो रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग, साउंड डिज़ाइन और आधुनिक स्टूडियो सेटअप से जुड़ी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। लगभग दो वर्षों तक चेन्नई में कड़ा प्रशिक्षण लेने के बाद उनकी पहली पेशेवर नौकरी गोरखपुर के एक म्यूजिक स्टूडियो में लगी। इसके बाद वे दिल्ली आ गए और वहां भी संगीत एवं ऑडियो प्रोडक्शन के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं। कुछ समय पश्चात वे मुंबई पहुंच गए, जहाँ उन्हें एक प्रतिष्ठित ऑडियो कंपनी में

हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने चौधर 2, सेफ हाउस 2, छापा, घूंघट, कच्छाधारी और 15 दिन जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया।

कार्य करने का अवसर मिला। मुंबई में रहते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग संस्थानों में अध्यापन भी किया और कई फिल्मों की ऑडियो तथा बैकग्राउंड म्यूजिक परियोजनाओं में अपना योगदान दिया। अपने करियर के दौरान उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी जैसी विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में बीजीएम और साउंड डिज़ाइन का कार्य किया है। वर्ष 2014 में वे अपने गृह नगर अलीगढ़ लौटे। इसी दौरान उनके एक मित्र के माध्यम से उनकी मुलाकात रोहतक में फिल्म से जुड़े निर्देशक से हुई। इसी दौरान उनकी मुलाकात रोहतक में प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका और प्रोफेसर कविता सोभू से हुई। पहली ही मुलाकात में दोनों के बीच जुड़ाव हुआ और वर्ष 2016 में उनका विवाह संपन्न हुआ। हरियाणा के संगीत जगत में कविता सोभू का नाम बेहद आदर के साथ लिया जाता है; वे चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में संगीत विषय की प्रोफेसर हैं। विवाह के पश्चात कुछ समय के लिए अभिषेक वापस मुंबई चले गए, लेकिन नोटबंदी के बाद वे पुनः हरियाणा लौट आए।

हरियाणा में उन्होंने स्थानीय संगीत जगत को आधुनिक रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग और ऑडियो तकनीक से जोड़ने में योगदान दिया। उन्होंने कई स्टूडियो को तकनीकी मार्गदर्शन, सॉफ्टवेयर और आधुनिक सेटअप उपलब्ध कराने में सहयोग किया। हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने "चौधर 2", "सेफ हाउस 2", "छापा", "घूंघट", "कच्छाधारी" और "15 दिन" जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया। अब तक वे लगभग 18 फिल्मों और वेब सीरीज़ के लिए संगीत दे चुके हैं। उनकी सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष रहा। आर्थिक कठिनाइयों के बीच उन्होंने दिल्ली में बैंड और चेन्नई के पार्क होटल में डीजे के रूप में काम किया। वर्तमान में वे हरियाणा के जींद में अपने स्वयं के स्टूडियो का संचालन कर रहे हैं।

खबर संक्षेप



सभी वार्डों में विकास कार्यों को प्राथमिकता से कराया जाएगा: विधायक

बवानीखेड़ा। वार्ड 13 में रमेश समलायन के निवास स्थान पर आयोजित सम्मान समरोह एवं जलपान कार्यक्रम में पहुंचे विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि वार्ड 13 सहित शहर के सभी 16 वार्डों में विकास कार्यों को प्राथमिकता से कराया जाएगा। उनके नेतृत्व में पूरे हलके में विकास की गंगा बहेगी।

बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था

भिवानी। प्रकृति संरक्षण एवं बेजुबान जीवों की सेवा का मिसाल पेश करते हुए पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा ने सराहनीय पहल की है। रविवार को उन्होंने गांव झुपाकलां स्थित बाबा श्रीश्याम बगीची परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी की पुख्ता व्यवस्था की। इस नेक और पवित्र कार्य के साथ-साथ पर्यावरण को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से व्यापक पौधरोपण भी किया।

272 मकानों की पीआईडी को लेकर गरमाया मामला

बवानीखेड़ा। शहर में 272 मकानों की पीआईडी ''प्रॉपर्टी आईडी'' को वक्फ बोर्ड के नाम दर्ज करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मुद्दे पर विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने मोर्चा संभालते हुए कहा कि पीड़ितों को घबराने की जरूरत नहीं है। जल्द ही वक्फ बोर्ड की बजाय असली मकान मालिकों के नाम पर पीआईडी वापस कर दी जाएगी।

प्रधानाचार्यों के 5 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

बवानीखेड़ा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भिवानी में आयोजित प्रधानाचार्यों के पांच दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। इस प्रशिक्षण शिविर में जिले के 61 प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यालय नेतृत्व को सशक्त बनाने, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करने तथा विद्यालयों में सकारात्मक माहौल बनाने को लेकर चर्चा की।

वोट बचाओ-देश बचाओ को लेकर कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च

कांग्रेसियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश का पुतला फूंक जताया रोष

■ देशभर में चुनाव आयोग के खिलाफ भारी रोष

चुनाव आयोग सत्ता के इशारे पर कर रहा काम, वोट चोरी नहीं की जाएगी बर्दाश्त: कांग्रेस नेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी



भिवानी। शहर में कैंडल मार्च निकालते कांग्रेसी। फोटो : हरिभूमि

भिवानी में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी का आक्रामक तेवर देखने को मिला। कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के तहत भिवानी में रोषपूर्ण कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ जमकर हुंकार भरी। रोष मार्च संविधान चौक बासिया भवन से शुरू होकर हांसी गेट तक पहुंचा। कार्यक्रम का आयोजन भिवानी ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश कौशिक ने किया तथा अध्यक्षता संयुक्त रूप से कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी एवं ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने की। मार्च के समापन के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया।

इस मौके पर कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी एवं ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा शुरू किया वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान देश की चुनावी प्रणाली, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने के लिए छेड़ी गई एक बड़ी मुहिम है। उन्होंने कहा कि देश का प्रजापंत चुनाव आयोग की नींव पर खड़ा है, ऐसे में चुनाव आयोग पर ही सवालिया लग जाता है तो देश के प्रजातंत्र पर बड़ी मुसीबत खड़ी हो जाती है। उन्होंने कहा कि देशभर में चुनाव आयोग के खिलाफ भारी रोष है। चुनाव आयोग व मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली और भी बड़ा सवाल खड़ा हो जाता है। उन्होंने कहा कि आज देश का मतदाता अपनी लोकतांत्रिक ताकत यानी वोट की सुरक्षा को लेकर आशंकित है।

■ देशभर में चुनाव आयोग के खिलाफ भारी रोष : प्रदीप

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व बैंक महाप्रबंधक नरेश तंवर, देवराज महता, कमल सिंह प्रधान, प्रताप सरपंच, अजय हालुवासिया, अमन तंवर राघव, रूपेंद्र ग्रेवाल, बलवंत घणघस, हरेंद्र जाखड़, विरेंद्र फौजी, शीला गौरा, कामरेड राममेहर जांगड़ा, बलबीर सरोहा, राजकुमार धनखड़, प्रवीण बूरा आदि मौजूद रहे।

भिवानी की धरती ने हमेशा अन्याय और तानाशाही के खिलाफ आवाज बुलंद की

कांग्रेस जिला अध्यक्षों ने कहा कि भिवानी की धरती ने हमेशा अन्याय और तानाशाही के खिलाफ आवाज बुलंद की है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए था, लेकिन विडंबना ये है कि आज निष्पक्षता ताक पर रख दी गई है। कांग्रेस का वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान तब तक थमेगा नहीं, जब तक देश की चुनावी व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी एवं जनता के प्रति जवाबदेह नहीं बनाया जाता।

चौ. बंसीलाल के समर्थक सच्चे कांग्रेसी लोहारू से रिश्ता हमेशा रहेगा: सोमवीर



बहल। पूर्व विधायक सोमवीर सिंह ने कहा कि चौ. बंसीलाल ने अपने आखिरी समय में उनसे कहा था कि सोमवीर सिंह, लोहारू को कभी अकेला मत छोड़ना। लोहारू हलके का प्रत्येक परिवार उनका अपना परिवार है। पार्टी के आदेश पर वे चुनाव कहीं से भी लड़ें, लेकिन लोहारू की जनता से उनका लगाव हमेशा बना रहेगा। वे रविवार को झुंपा रोड स्थित एक निजी रिसॉर्ट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मिलन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चौ. बंसीलाल का एक-एक समर्थक सच्चा कांग्रेसी है। यदि कोई नेता उन्हें कांग्रेस का कार्यकर्ता नहीं मानता, तो यह उसकी बड़ी भूल है। लोहारू हलका और चौ. बंसीलाल एक-दूसरे के पूरक रहे हैं। समारोह में मौजूद लोगों की तीन-तीन पीढ़ियां चौ. बंसीलाल के साथ जुड़ी रही हैं। इस रिश्ते को वे हमेशा सम्मान देंगे। चौ. बंसीलाल परिवार लोहारू की जनता का हमेशा ऋणी रहेगा, जिसने हर मुश्किल समय में उनका साथ दिया है। सोमवीर सिंह ने कार्यकर्ताओं से धैर्य रखने और कांग्रेस पार्टी व बंसीलाल परिवार में विश्वास बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि आने वाला समय कांग्रेस कार्यकर्ताओं का होगा। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में समाज का हर वर्ग सरकार की नीतियों से दुखी और परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार बन रही थी, लेकिन भाजपा ने चुनाव में गड़बड़ी कर सत्ता हासिल की।

पूर्व मंत्री स्व. ठाकुर बीर सिंह ने कान्फैड की स्थापना कर सहकारिता को बनाया आंदोलन

■ रिवासा कांड उठाने वाले युग पुरुष थे ठाकुर बीर सिंह, आपातकाल में गए थे जेल : ठाकुर विक्रम सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी



शकुंतला गार्डन के प्रांगण में रविवार को पूर्व सहकारिता मंत्री ठाकुर बीर सिंह की 102वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद संजय भाटिया के पुत्र चांद भाटिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में अतिथियों ने कहा कि ठाकुर बीर सिंह एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक संस्था थे। उन्होंने सहकारिता मंत्री रहते हुए सहकारिता को एक आंदोलन का रूप दिया और कान्फैड नामक संस्था की स्थापना की। इसके माध्यम से गांव-गांव में कान्फैड सेल पॉइंट खोले गए, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिला। भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष ठाकुर विक्रम सिंह ने कहा कि ठाकुर बीर सिंह सहकारिता आंदोलन के सच्चे प्रणेता थे।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक घनश्याम सर्राफ, विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, विधायक कंवर सिंह यादव, हरियाणा महिला आयोग की वाईस चेयरपर्सन मीना परमार, एचपीएससी सदस्य आनंद शर्मा, भाजपा भिवानी के जिला अध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक, रवि चौहान, नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह और राजपूत सभा महेंद्रगढ़ के पूर्व प्रधान मास्टर राय सिंह अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन भिवानी के प्रधान युधिष्ठिर वत्स, अविनाश सरदाना, अधिवक्ता ब्रह्मानंद, अधिवक्ता प्रिया असीजा आदि मौजूद रहे।

युवा नौकरी देने वाले बनें : बड़खालसा

■ संगठनों के सहयोग से जैविक खेती और आत्मनिर्भरता अभियान को मिलेगी गति : वीरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी



ये रहे मौजूद

इस बैठक में जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक, हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार, जिला महामंत्री रेखा राघव, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप प्रजापति, जिला सचिव नरेंद्र तालू, सुनील डावर, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष अशोक बिड़लान, बीएलए-1 दिनेश वर्मा, मंडल अध्यक्ष नवीता तंवर, राजबाला श्योराण, हरदीप ढुडेजा, महेंद्र सिंह चौहान, जिला युवा मोर्चा महामंत्री धीरज शर्मा, जिला सोशल मीडिया प्रभारी सूर्यप्रताप, राहुल, मीडिया प्रभारी नितिन भारद्वाज, नरेंद्र शर्मा, योगेश शिलानी, योगी पंडित और जतिन चावला सहित विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों के तमाम प्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा ने भिवानी के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों तथा एनजीओ के प्रतिनिधियों के साथ रविवार को बैठक की। इस बैठक में पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती, युवा सशक्तिकरण और रोजगार सृजन जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा ने युवाओं के भविष्य और रोजगार के मुद्दे पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं का नौकरी पाने के लिए प्रयास करना स्वाभाविक और सही है, लेकिन आज के समय में यह आवश्यक है कि युवा नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की दिशा में भी सोचें। युवाओं को अपनी प्रतिभा, कौशल और उद्यमशीलता के दम पर स्वरोजगार अपनाना चाहिए और ऐसे अवसर पैदा करने चाहिए जिससे वे दूसरों को भी रोजगार दे सकें। इससे न केवल युवा आत्मनिर्भर बनेंगे।

1982 बैच के पूर्व विद्यार्थियों ने गुरुओं को पगड़ी पहनाकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी



गांव चंदेनी के राजकीय हाई स्कूल में वर्ष 1982 के दौरान दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थियों और उस समय विद्यालय में सेवाएं देने वाले शिक्षकों का पुनर्मिलन समारोह आयोजित किया। भिवानी रोड स्थित राजेंद्र बिजारणिया फार्म हाउस परिसर में हुए कार्यक्रम में पूर्व विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों को सम्मानित कर पुरानी यादें साझा कीं। समारोह की अध्यक्षता सेवानिवृत्त हेडमास्टर प्रभुराम गोदारा ने की, जबकि सेवानिवृत्त हेडमास्टर कृष्णदत्त चांगरोड़ मुख्य अतिथि रहे। हेमंत शर्मा रामवलवास और हरीश सांगवान झोझूकलां ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक राजेंद्र सिंह बिजारणिया रूदड़ौल रहे। समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर 1982 बैच के पूर्व विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों को पगड़ी पहनाकर, फूलमालाएं भेंट कर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने कहा कि गुरुजनों से मिली शिक्षा, संस्कार और मार्गदर्शन ने उन्हें जीवन में सही दिशा दिखाई। समारोह में डॉ. विनोद सांगवान, महाबीर, बलबीर, बालकिशन शर्मा, राजेंद्र, उद्यम सिंह, नरेश बीजणा सहित 1982 बैच के अन्य पूर्व विद्यार्थी मौजूद रहे।

ओलावृष्टि प्रभावित किसानों को मुआवजा दे सरकार: डॉ. मनीषा



चरखी दादरी। कांग्रेस नेत्री डॉ. मनीषा सांगवान ने गांव रावलधी में ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का जायजा लिया। उन्होंने खेतों में जाकर नुकसान की स्थिति देखी और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रदेश सरकार से प्रभावित किसानों को जल्द आर्थिक सहायता देने और विशेष गिरदावरी करवाने की मांग की। डॉ. मनीषा ने कहा कि ओलावृष्टि के कारण फसलों को हुए नुकसान से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है, ऐसे समय में सरकार को किसानों की मदद के लिए तुरंत प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

उन्होंने मांग की कि ओलावृष्टि से

विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी

भिवानी। वनवासी कल्याण आश्रम, हरियाणा की प्रांत स्तरीय आमसभा का आयोजन भिवानी स्थित एकलव्य छात्रावास के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ और गुणगान के साथ किया गया। कल्याण आश्रम के बच्चों द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति के अलावा संस्कृत श्लोक उच्चारण और देशभक्ति गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी गई। सभा में हरियाणा प्रांत के लगभग 15 जिलों से दायित्वयुक्त कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। हिसार, रोहतक, जींद, कैथल, फरीदाबाद, मानेसर पानीपत करनाल चीका गुरुग्राम रेवाड़ी सिरसा भिवानी सहित विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं ने संगठन के कार्यों एवं आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया। कार्यकर्ताओं ने आगंतुकों का स्वागत किया।

पूज्यश्री फूलचन्द महाराज ने 83 वर्ष पूर्व आश्रम की स्थापना कर किया जंगल में मंगल

सद्गुरु हमारे जीवन की दिशा एवं दशा बदल देते: मनक मुनि

■ कठोर तपस्या एवं साधना से अपने जीवन को धन्य बनाया एवं हजारों भक्तों का किया उद्धार : जैन मुनि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी



भिवानी। श्रद्धालुओं को प्रवचन देते जैन मुनि मनक कुमार महाराज। फोटो : हरिभूमि

जीवन में सद्गुरू का बड़ा महत्व है, गुरू के बिना सही ज्ञान, सही दृष्टि व सही दिशा नहीं मिलती है। गुरू जीवन की दिशा बदल देते हैं और दिशा बदलते ही दशा बदल जाती है और दृष्टि बदलते ही सृष्टि बदल जाती है, ये विचार जैन मुनि आश्रम के संस्थापक पूज्यश्री फूलचन्द महाराज की पुण्यतिथि शरद पूर्णिमा पर जैन मुनि मनक कुमार महाराज ने आश्रम में उपस्थित भक्तों को संदेश देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि गुरू के बिना जीवन रूपी भवसागर या नौका का पार करना असंभव हैं, इसलिए जीवन में सच्चे गुरू का अनुशरण कर सदमार्ग पर चलना चाहिए।

मुनि मनक महाराज ने कहा कि पूज्यश्री फूलचन्द महाराज महा-सन्त, महातपस्वी, सिद्धयोगी व परोपकारी गुरू थे। उन्होंने अनेक संघर्ष सहन करके भी अपनी साधना-तपस्या के बल पर 83 वर्ष पहले आश्रम की स्थापना कर जंगल में मंगल किया। आज यह जैन मुनि आश्रम सिद्ध तपोभूमि के रूप में प्रतिष्ठित हो गया है, जहां हजारों-हजारों भक्तो को जीवन की सही दिशा मिलती है। आश्रम में साधना-सेवा-शिक्षा की अनेक प्रवृतियां चल रही हैं। अभी एक भव्य विशाल मन्दिर का निर्माण हो रहा है, जहां भक्ति की अविरल धारा बहेगी। यह सब पूज्यश्री फूलचन्द महाराज आदि गुरूओं की कृपा से ही संभव हो पाया है। आश्रम संचालिका डॉ. उषा जैन ने कहा कि पूज्यश्री फूलचन्द महाराज अजैन कुल में पैदा हुए, मगर पूर्व संस्कारों व गुरू कृपा से जैन सन्त बने। कठोर तपस्या एवं साधना से अपने जीवन को धन्य बनाया तथा हजारों भक्तों का उद्धार भी किया। जप-तप से वे तपे-खपे और सिद्धि बल से इस तपोभूमि आश्रम की स्थापना की, जो भिवानी में सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध है। उनकी कृपा से आश्रम निरन्तर आगे बढ़ रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर राकेश कटारिया, प्रवीण अग्रवाल, नीलम जैन, केशव जैन, श्यामलाल गर्ग, संस्कृति जैन, अर्चना राजगढ़िया, ईशा जैन आदि ने भी भाषण व भजनों के माध्यम से गुरू के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस मौके पर गिगराज जैन, आनंद बासिया, पीयूष अग्रवाल, प्रमोद राजगढ़िया, नरेंद्र लहरिया, ओमप्रकाश, मोहनलाल, शिवशंकर, राजीव, विनोद, अनिल नाहटा, सज्जन, मोहित, मनोज, राजा, सुरेश, जर्नादन, सन्मति, मुध, राजबाला, नीलम, कांता, सुमन व शारदा मौजूद रहे।

न्यूज डायरी



मां भगवती की महिमा का बखान किया

भिवानी। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य पर जीतू वाला जोहड़ के समीप स्थित सिद्ध पीठ काली देवी शिव मंदिर में श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान के तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने पहुंचकर कथा का रसपान किया और पुण्य लाभ कमाया। कथा के आयोजकों में शामिल रमेश शर्मा ने बताया कि इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान संत-महापुरुषों और गणमान्य नागरिकों की विशेष उपस्थिति रही। कथा के दौरान जुगल किशोर ने श्रीमद् देवी भागवत महापुराण के महत्व पर प्रकाश डाला। रविवार को व्यासपीठ पर विराजमान कथा व्यास पंडित बृजमोहन कौशिक ने श्रद्धालुओं को मां भगवती की महिमा से अवगत कराया। उन्होंने मुख्य रूप से सती प्रसंग और मधु-कैटभ वध की कथा का विस्तार से वर्णन किया।



सरकार की नीतियों की सराहना की

चरखी दादरी। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह और धर्म सेना (न्यास) के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित चौधरी ने रविवार को विभिन्न गांवों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। रविवार को दौरे के दौरान युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित चौधरी ने सयाना, नोताना, पोता, बाघोंता, सेहलंग, तलवाना, खेड़ी, अघियार व पाथेड़ा सहित अनेक गांवों का दौरा किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीण सभाओं को संबोधित करते हुए मोहित चौधरी ने भाजपा सरकार की नीतियों की सराहना की और इसके मूल उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक संख्या में लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मजबूत नेतृत्व एवं पारदर्शी नीतियों के बल पर आज देश और प्रदेश का हर वर्ग विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है।

गुरु रविदास की शोभायात्रा निकाली



चरखी दादरी। गांव डोहकी में रविवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर कमेटी और समस्त ग्रामवासियों के तत्वावधान में संत शिरोमणि गुरु रविदास की शोभायात्रा एवं मूर्ति स्थापना समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गांव और आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण और यज्ञ के साथ हुआ। धार्मिक अनुष्ठान में संत आश्रम चांग भिवानी के स्वामी मंगलनानन्द व संत रहीमदास का सानिध्य रहा। यज्ञ के बाद गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। इसके पश्चात मंदिर परिसर में गुरु रविदास की मूर्ति की विधिवत स्थापना की गई। इस दौरान पहुंचे अतिथियों ने संत-महात्माओं से आशीर्वाद लिया और गुरु के चरणों में नमन किया। कार्यक्रम में सरपंच राकेश सांगवान, मंदिर कमेटी सदस्य रामफल दहिया, पूर्व सरपंच सत्यवान दहिया, रामेहर दहिया, विजेंद्र, मोनू दहिया, सोमबीर दहिया और जोगिंदर रंगा ने दी। इस अवसर पर भूप सिंह, साहिल दहिया, शमशेर रंगा, राजू मेहरा, मनीष सिहंमार, सोनू दहिया, अरविंद दहिया, अश्वनी, सुखबीर दहिया, जुगनू दहिया आदि मौजूद रहे।



शिविर में 130 लोगों का स्वास्थ्य जांचाप

भिवानी। लायंस क्लब भिवानी सिटी द्वारा समाजसेवा एवं जनस्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए हर सप्ताह की भांति रविवार को हुडा पार्क में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। स्वस्थ तन स्वस्थ मन अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविर का संयोजन क्लब सदस्य नरेश मीनू अग्रवाल के सौजन्य से किया, जिसमें नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर के दौरान कुल 130 महिला एवं पुरुष नागरिकों के ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर व वजन की निःशुल्क जांच की। कार्यक्रम के दौरान क्लब के प्रधान लॉयन सुरेश केडिया ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली एवं तनाव के कारण उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह जैसी बीमारियां आम हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग बीमारी की शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो बाद में गंभीर रूप ले लेते हैं। समय पर नियमित जांच करवाकर इन बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है। इस अवसर पर क्लब के सचिव लॉयन प्रमोद मिण्डुका, कोषाध्यक्ष लॉयन अनिल हलवासिया, लॉयन प्रदीप जैन, लॉयन ललित अग्रवाल, लॉयन पूनम बजाज, लॉयन राजीव गर्ग, लॉयन लक्ष्मीकांत अग्रवाल व लॉयन अशोक तायल आदि मौजूद रहे।



सेवा संकल्प संगठन के छह वर्ष पूरे

चरखी दादरी। सेवा संकल्प संगठन के छठे स्थापना दिवस पर सांवड़ स्थित संकल्प पुस्तकालय में समारोह का आयोजन किया गया। इसमें संगठन के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान संगठन की ओर से शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण और जनहित के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। ग्रामीण सुरेश, विनोद, जोगिंद्र, राहुल, मुकेश और ललित ने कहा कि सेवा संकल्प संगठन ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने का बेहतर मंच है। संगठन से जुड़कर सैंकड़ों युवा समाजसेवा में योगदान दे रहे हैं। संगठन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, पिछले छह वर्षों में संकल्प पुस्तकालय का संचालन ग्रामीण शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण साबित हुआ है। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत 15 से अधिक स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए गए हैं। वहीं, 25 रक्तदान शिविरों के माध्यम से करीब 1500 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।



माताओं के लिए करवाई प्रतियोगिताएं

भिवानी। लिटिल हार्ट्स ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा लिटिल हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल में करवा चौथ के उपलक्ष्य में माताओं के लिए 'रंग-ए-करवा 2026 सैलीब्रेटिंग ट्रेडिशन एंड टू गैदरनैस'का भव्य आयोजन समाजसेवी रमेश हेतमपुरिया, आनन्द प्रकाश गोयल व रवि गोयल की अध्यक्षता में हुआ। उत्सव में प्री-नर्सरी से कक्षा 2 तक के विद्यार्थियों की 200 से अधिक माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में विजेंद्र बड़गुजर तथा चौधरी बंसीलाल विवि. की रजिस्ट्रार डॉ. भावना शर्मा ने शिरकत की। कार्यक्रम में माताओं के लिए करवा सजावट, थाली सजावट, मेहंदी, बिना आग के खाना बनाना (सरगी थाली), टैलेंट शो, धागा-सुई दौड़, चलनी-चांद दौड़ और हर्डल रेस जैसी विविध प्रतियोगिताएं करवाई। विद्यार्थियों द्वारा लगाए मेहंदी कॉर्नर, आर्ट एवं क्राफ्ट स्टॉल तथा ज्वेलरी स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जहां नन्हे उद्यमियों ने स्वयं बनाए बंदनवार, दीये और त्योहारी सजावट की वस्तुएं प्रस्तुत की। प्रतियोगिताओं का निर्णय किरण, इंदु एवं सीमा बंसल ने किया। करवा सजावट में निशा ने प्रथम, रिया ने द्वितीय व शिखा ने तृतीय स्थान जीता।

खबर संक्षेप

महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर कार्यक्रम आज

भिवानी। भगवान महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में 26 अक्टूबर को 10.30 बजे समारोह का आयोजन किया जाएगा। नगराधीश अनिल कुमार ने बताया कि समारोह में भगवान महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा ताकि उनकी शिक्षाओं को जीवन में धारण किया जा सके।

वृद्धा की हत्या मामले में आरोपित महिला पकड़ी

भिवानी। थाना सदर भिवानी पुलिस ने गांव धनाना के खेत में वृद्ध महिला पर ट्रैक्टर चढ़ाकर हत्या करने के मामले में महिला आरोपी को का गिरफ्तार किया है। गांव धनाना के खेत में महिला व अन्य व्यक्ति के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाने की वारदात की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी। वारदात में प्यारी देवी नामक वृद्ध महिला की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया था। सोनू निवासी धनाना ने इस बारे में शिकायत दर्ज करवाई थी। आरोपित महिला की पहचान मीणा देवी पत्नी राजकुमार निवासी धनाना, जिला भिवानी के रूप में हुई है।

बाजरे की भौतिक जांच के लिए गठित की कमेटी

चरखी दादरी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा के निर्देश पर उपायुक्त मंदीप कौर ने अनाज मंडी और गोदामों में रखे बाजरे की भौतिक जांच के लिए कमेटी गठित की है। कमेटी जांच के बाद अपनी रिपोर्ट एसडीएम दादरी को प्रस्तुत करेगी। शुक्रवार देर शाम कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने दादरी अनाज मंडी का निरीक्षण कर बाजरा खरीद व्यवस्था का जायजा लिया था।

नाकाबंदी कर 154 वाहनों के कागजात जांचे

चरखी दादरी। बीती मध्यरात्रि को कनीना टी-पॉइंट पर की गई नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने 154 वाहनों की जांच की। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर आठ वाहनों के चालान किए गए, जबकि देर रात अकारण घूम रहे पांच संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर पूछताछ की। अभियान का नेतृत्व डीएसपी कप्तान सिंह ने किया।

कैंसर के मामलों में समय पर उपचार संभवः डॉ. अमित

चरखी दादरी। गीता भवन स्थित श्रीअग्रवाल धर्मार्थ अस्पताल में कैंसर रोग निदान एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया। शिविर में कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन डॉ. अमित गर्ग ने मरीजों की जांच कर उन्हें परामर्श दिया। शिविर में करीब एक दर्जन मरीजों की जांच की गई। डॉ. अमित गर्ग ने कहा कि समाज में कैंसर को लेकर कई भ्रांतियां हैं। वहीं आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से कैंसर के अनेक मामलों में समय पर उपचार संभव है।

29 कॉलेजों के 1200 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

वैश्य कॉलेज ने जीती युवा महोत्सव उत्कर्ष-2026 की ओवरऑल ट्रॉफी

- महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने नौ विधाओं में हासिल किए 13 पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी





चरखी दादरी। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्रा व विजेता टीम को ओवरऑल ट्राफी देकर सम्मानित करते अतिथि व आयोजक।

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी की ओर से महिला महाविद्यालय झोझूकलां में आयोजित आठवें विश्वविद्यालय युवा महोत्सव उत्कर्ष-2026 का रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हो गया। युवा महोत्सव में 29 महाविद्यालयों के करीब 1200 विद्यार्थियों ने संगीत, नृत्य, रंगमंच, साहित्यिक और ललित कला की 44 विधाओं में प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

युवा महोत्सव में वैश्य कॉलेज भिवानी ने ओवरऑल ट्रॉफी जीतकर अपनी बेहतरीन उपलब्धियों का परचम लहराया। वहीं राजीव गांधी महिला कॉलेज भिवानी ने रनरअप ट्रॉफी व बीएलजेएस कॉलेज तोशाम ने वीसी ट्रॉफी जीती। समापन समारोह में विवि. की कुलगुरू प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी मुख्यतिथि रहीं। प्रोफेसर धर्माणी ने विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि युवा महोत्सव विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति से जोड़ने और उनकी प्रतिभा को निखारने का प्रभावी मंच है, यहां चयनित कलाकार अंतर-विश्वविद्यालय स्तर पर विवि. का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रातःकालीन सत्र में लोहारू के एसडीएम मनोज दलाल मुख्यतिथि, समाजसेवी सोमबीर घसोला व अनिल कालूवाला विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। सोमबीर घसोला ने छात्राओं की आवागमन सुविधा के लिए महाविद्यालय को दो बसें भेंट की। महादेव बलाली ने भी बस देने की घोषणा की। सोमबीर घसोला व अनिल कालूवाला ने महाविद्यालय को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने का भी आश्वासन दिया। एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि युवा महोत्सव विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने छात्राओं की शिक्षा एवं सुरक्षा के लिए महाविद्यालय प्रशासन, प्रबंधन समिति और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुरेश मलिक ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया

उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता का श्रेय अपनी टीम और सहयोगियों को देने तथा आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में आयोजन सचिव डॉ. पूनम, संयोजिकाएं डॉ. मंजू, डॉ. मुन्नी चौधरी, डॉ. सोनल शेखावत, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, टीम मैनेजर व प्रतिभागी मौजूद रहे।



चरखी दादरी। महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

झोझूकलां महिला कॉलेज की छात्राओ ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

युवा महोत्सव के दौरान हरियाणवी लोकगीत, लोकनृत्य, रागनी, शास्त्रीय नृत्य, समूह गायन, नाटक, माइम, कव्वाली, वाद-विवाद, रंगोली और पोस्टर सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। महिला कॉलेज झोझूकलां की छात्राओं ने नौ विधाओं में 13 पुरस्कार हासिल किए। संस्कृत वन-एक्ट प्ले में प्रथम स्थान और इसी प्रस्तुति के लिए छात्रा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब मिलना कॉलेज की प्रमुख उपलब्धि रही। प्राचार्य एवं मुख्य संयोजक डॉ. राजपाल ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया था।

आभूषण चोरी मामले में आरोपी गिरफ्तार

बवानीखेड़ा। थाना बवानी खेड़ा पुलिस ने घर का ताला तोड़कर चांदी के आभूषण चोरी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गांव जाटू लोहारी निवासी महिला ने थाना बवानी खेड़ा घर से आभूषण चोरी होने की शिकायत दर्ज करवाई थी। थाना बवानी खेड़ा पुलिस की टीम ने चोरी की वारदात में शामिल आरोपी को गांव जाटू लोहारी से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जसबीर पुत्र दलबीर, निवासी गांव जाटू लोहारी, जिला भिवानी के रूप में हुई है।

भिवानी के धावकों ने हाफ मैराथन में लहराया परचम

- श्रीपाल ने 1 घंटा 55 मिनट व रमेश ने 1 घंटा 57 मिनट में पूरी की 21.1 किलोमीटर की दौड़

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

मेट सिटी इंटरनेशनल हाफ मैराथन में भिवानी के दो ऊर्जावान धावकों ने अपनी फिटनेस, अनुशासन व दृढ़ इच्छाशक्ति का शानदार प्रदर्शन कर पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। सेक्टर-23 निवासी श्रीपाल यादव और सेक्टर-13 के रिटायर्ड प्रिंसिपल रमेश श्योराण ने मैराथन में भाग लिया और 21.1 किलोमीटर की लंबी और कठिन हाफ मैराथन को सफलतापूर्वक पूरा किया। प्रतियोगिता के दौरान दोनों धावकों ने बेहतरीन स्टैमिना दिखाया। रिटायर्ड प्रिंसिपल रमेश श्योराण ने मैराथन की दूरी को 1 घंटा 57 मिनट में तय किया, जबकि श्रीपाल यादव ने 1 घंटा 55 मिनट में फिनिश लाइन पार की।



श्रीपाल यादव व रमेश श्योराण।

फिटनेस उम्र की मोहताज नहीं

श्रीपाल यादव की पूरी दौड़ के दौरान औसत गति 5 मिनट 24 सेकंड प्रति किलोमीटर दर्ज की गई, जो उनके निरंतर अभ्यास और उच्च स्तर की फिटनेस का प्रमाण है। इस उपलब्धि के बाद श्रीपाल यादव ने कहा कि फिटनेस किसी उम्र की मोहताज नहीं होती है। नियमित व्यायाम, सही दिनचर्या और अनुशासन से हम जीवन के किसी भी पड़ाव पर स्वस्थ और ऊर्जावान बने रह सकते हैं। हमारा मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी और समाज के सभी वर्गों को शारीरिक गतिविधियों से जोड़ना है, ताकि वे एक स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें। वहीं रिटायर्ड प्रिंसिपल रमेश श्योराण ने कहा कि मैराथन सिर्फ दौड़ना नहीं है, बल्कि ये मानसिक दृढ़ता और सकारात्मक जीवनशैली का प्रतीक है। जब वरिष्ठ नागरिक इस तरह के आयोजनों में हिस्सा लेते हैं, तो यह समाज में एक मजबूत संदेश देता है कि उम्र केवल एक संख्या है और दृढ़ संकल्प से बड़े से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। इन दोनों धावकों का यह प्रयास समाज में स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अनूठा उदाहरण है।

40 लाख से होगा शहीद गुलाब सिंह पार्क का सौंदर्यीकरण

- शहीदों के सम्मान और शहर के विकास को समर्पित नगर पालिका का महत्वपूर्ण कदम

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा



वीर शहीद गुलाब सिंह पार्क के दिन अब फिरने वाले हैं, इस पर लाखों रुपयों को लगाकर विकास कार्य करवाया जाएगा। नपा अध्यक्ष सुंदर अत्री ने बताया कि कस्बे के शहीद गुलाब सिंह पार्क एवं स्मारक का लगभग 40 लाख रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण करवाया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य शहीदों की स्मृतियों को सम्मानपूर्वक संजोना तथा पार्क को शहरवासियों के लिए एक आकर्षक एवं सुविधाजनक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करना है। अत्री ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत लाल पत्थर की दीवार, पानी की टंकी, मिट्टी भरत, ग्रिल, भव्य प्रवेश द्वार, सैर-सपाटे के लिए सिंथेटिक ट्रैक, आकर्षक लाइटें, बगीचा, पौधारोपण, बैठने के लिए बेंच तथा फैंसी लाइटों सहित विभिन्न विकास कार्य करवाए जाएंगे।

सुंदरता में वृद्धि होगी

सुविधाएं बढ़ने से पार्क की सुंदरता में वृद्धि होगी और शहरवासियों को सुबह-शाम सैर करने तथा परिवार के साथ समय बिताने के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि शहीद गुलाब सिंह पार्क केवल एक पार्क नहीं, बल्कि शहीदों के बलिदान, त्याग और देशभक्ति की भावना से जुड़ा महत्वपूर्ण स्थल है। ऐसे स्मारकों का संरक्षण और सौंदर्यकरण हमारी जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी शहीदों के गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा ले सकें।

सफाई-स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को लेकर नगर पालिका की ठोस तैयारी

बवानीखेड़ा। नगर पालिका बवानी खेड़ा के अध्यक्ष सुंदर अत्री ने बताया कि दीपावली पर्व को देखते हुए नगर पालिका द्वारा शहर में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए ठोस तैयारियां की जा रही हैं। नपा का विशेष ध्यान इस बात पर है कि त्योहार से पहले शहर की गलियों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई सुनिश्चित हो तथा लोगों को आवागमन के दौरान पर्याप्त रोशनी की सुविधा मिले। सुंदर अत्री ने कहा कि नपा की प्राथमिकता शहरवासियों की मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दीपावली से पहले व्यवस्थाओं को व्यवस्थित एवं बेहतर बनाना है। इसके लिए सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी, गलियों एवं सार्वजनिक स्थानों से कचरा उठाने, नालियों की सफाई तथा खराब स्ट्रीट लाइटों की पहचान कर उन्हें दुरुस्त करवाने जैसे कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सफाई और प्रकाश व्यवस्था के प्रति जिम्मेदारी से कार्य करने तथा समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295154800, 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

परमसंत हुजूर कंवर साहेब ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

सच्चाई, परोपकार और निर्मल मन से ही संभव है परमात्मा की भक्ति : परमसंत कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी



भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन करते संत कंवर साहेब। फोटो: हरिभूमि

परमात्मा की सच्ची भक्ति के लिए मनुष्य का सत्य के मार्ग पर चलना, परोपकार की भावना अपनाना और अपने मन को विकारों से मुक्त करना आवश्यक है। दूसरों की बुराइयाँ देखने के बजाय अपने भीतर झाँककर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। यह सत्संदेश परमसंत सतगुरु हुजूर कंवर साहेब महाराज ने रविवार को दिनोद धाम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए दिया। हुजूर महाराज ने फरमाया कि परमात्मा उनका है, जो उसके हुक्म और नियमों में बंधकर जीवन व्यतीत करते हैं।

परमात्मा अपने भक्तों पर कभी आँच नहीं आने देता। मनुष्य को स्वयं को परमात्मा के प्रति समर्पित कर देना चाहिए, क्योंकि परमात्मा सदैव अपने भक्तों का है। दूसरों की बुराई देखने के बजाय उनकी अच्छाइयों को देखना चाहिए और यदि बुराई देखनी ही है तो अपने भीतर देखनी चाहिए। जब तक मनुष्य सच्चाई के रास्ते पर नहीं चलता, तब तक उसके हृदय में सच्ची भक्ति का संचार नहीं हो सकता। संत पलटू दास के जीवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए हुजूर कंवर साहेब जी महाराज ने बताया कि जब प्रेम की लौ हृदय में जागती है, तभी सच्ची भक्ति का जन्म होता है। पलटू दास के जीवन में परिवर्तन भी परमात्मा के प्रति प्रेम और विश्वास के जागरण से आया। उन्होंने बताया कि एक बार मंदिर के पुजारी ने दो भक्तों को पलटू की दुकान से राशन लेने भेजा, लेकिन पलटू ने उधार देने से मना कर दिया। इसी रात पलटू के घर तीन बालक पीले वस्त्र धारण करके पहुँचे और उसे राशन के पैसे देकर चले गए। अगले दिन जब पलटू राशन लेकर मंदिर पहुँचा और पुजारी से उन बालकों के बारे में पूछा, तो पुजारी ने बताया कि उसने किसी को नहीं भेजा था। इस पर पलटू के जीवन की दिशा बदल दी।

विषय-विकार दूर करें

हुजूर महाराज ने इस प्रसंग के माध्यम से समझाया कि जिस प्रकार साबुन कपड़ों के दाग साफ करता है, उसी प्रकार परमात्मा का नाम मनुष्य की आत्मा पर जमी विकारों की मैल को साफ करता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य संसार में किसी का छोटा-सा उपकार भी जीवनभर याद रखता है, लेकिन जिस परमात्मा ने उसे जीवन दिया, उसका स्मरण करना भूल जाता है। हुजूर कंवर साहेब जी महाराज ने कहा कि गंदे बर्तन में कितनी ही स्वच्छ वस्तु डाल दी जाए, वह भी दूषित हो जाती है। इसी प्रकार मैले मन में अच्छे विचार भी अपना प्रभाव खो देते हैं। इसलिए मनुष्य को अपने मन के विषय-विकारों को दूर करना चाहिए। जब मन निर्मल हो जाता है, तब परमात्मा की अनुभूति अपने हृदय में ही होने लगती है। उन्होंने परोपकार की महत्ता बताते हुए कहा कि नेकी करके उसका प्रतिफल पाने की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। सच्ची नेकी वही है, जिसे निस्वार्थ भाव से किया जाए। जो व्यक्ति हमारा हित करता है, उसके उपकार को स्वीकार करना और उसके प्रति कृतज्ञ रहना भी अच्छे संस्कारों का प्रतीक है।

न्यूज डायरी



सोमबीर घसोला ने कॉलेज को भेंट की दो बसें

चरखी दादरी। सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं हरियाणा प्रदेश माइनिंग क्रशर एसोसिएशन के प्रधान सोमबीर घसोला ने झोझू कलां स्थित महिला महाविद्यालय में आयोजित युवा महोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं के आवागमन की सुविधा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से महाविद्यालय को दो बसें भेंट कीं। घसोला इससे पहले भी महिला महाविद्यालय को छात्राओं के आवागमन के लिए बसें उपलब्ध करवा चुके हैं। घसौला का मानना है कि बेटियों को उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए पर्याप्त अवसर और अनुकूल वातावरण मिलना चाहिए। कॉलेज प्रबंधन समिति और प्राचार्य डॉ. राज पाल ने सोमबीर घसोला के सहयोग की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।



शिविर में 41 युवाओं ने किया रक्तदान

तोशाम। रविवार को तोशाम की भगवान वाल्मीकि मंदिर कमेटी द्वारा भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस के मौके पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 41 युवाओं ने रक्तदान किया। इस दौरान मुख्यातिथि नायब तहसीलदार अशोक कुमार ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्त की एक-एक बूंद कीमती है रक्तदान करके किसी मरीज की जान बचाई जा सकती है जोकि बहुत ही पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस के मौके पर जो भगवान वाल्मीकि कमेटी तोशाम द्वारा रक्तदान शिविर लगाकर पुण्य का कार्य किया है इस मौके पर डॉक्टर संदीप टांक, मास्टर संजय पहिवाल, विक्की मोहल, शम्मी बागड़ी, राजेंद्र मेघवाल, पवन शर्मा, दिलबाग, डॉ. पवन शर्मा, महेंद्र सिंह, बलकुमार बागड़ी, कृष्ण कुमार मोहल, एडवोकेट विकास मोहल, सत्यनारायण उर्फ भोलू, सुंदर बागड़ी, संदीप पहिवाल, संदीप मोहल, सुशील पहिवाल, महेंद्र मोहल, नवीन पहिवाल, विनय आदि मौजूद रहे।



निकासी के लिए डिस्पोजल पर लगवाई नई मोटर

भिवानी। दादरी रोड, ढाना रोड वार्ड-12 के लक्ष्मी नगर में शंकरनाथ मंदिर के सामने से मिनी बाईपास तक सीवरेज ओवरफ्लो होने से सड़क पर पानी जमा होने की समस्या को हरिभूमि समाचार पत्र ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसके बाद रविवार को पब्लिक हेल्थ विभाग की नींद टूट गई। समाचार पत्र पढ़ने के बाद पब्लिक हेल्थ विभाग के एसई, कार्यकारी अभियंता, एसडीओ व कनिष्ठ अभियंता मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बारीकी से समस्या का निरीक्षण किया। इस दौरान लोगों की शिकायत के बाद डिस्पोजल पर लगी मोटर जलने व उसकी जगह नई मोटर लगा दी। जिससे अब गलियों में जमा गंदे पानी की निकासी का कार्य शुरू हो पाया। इस दौरान अधिकारियों ने लोगों को भरोसा दिलाया कि अगले दो दिनों में उक्त समस्या का स्थाई समाधान कर दिया जाएगा। रविवार को पब्लिक हेल्थ विभाग के एसई सुनील रंगा अपनी टीम को लेकर लक्ष्मीनगर इलाके में पहुंचे। वहां पर अधिकारियों ने लोगों से बातचीत करके समस्या के बारे में पूरी जानकारी ली।

प्रदेश स्तरीय सम्मान समारोह होगा ऐतिहासिक

भिवानी। लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि हाल ही में जापान में संपन्न हुई एशियन और पैरा एशियन खेल प्रतियोगिता के पदक विजेता और प्रतिभागी खिलाड़ियों के सम्मान में जिला मुख्यालय पर स्थित भीम स्टेडियम में 30 अक्टूबर को प्रदेश स्तरीय शानदार सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री पदक विजेता और प्रतिभागी खिलाड़ियों को सरकार की खेल नीति के तहत घोषित पुरस्कार राशि से सम्मानित करेंगे। प्रदेश के खेल मंत्री गौरव गौतम भी समारोह में मुख्य रूप से शामिल होंगे। सम्मान समारोह में कुल करीब 185 करोड़ रुपये की राशि खिलाड़ियों को सम्मान स्वरूप प्रदान की जाएगी, समारोह के दौरान हरियाणा और पंजाब की महिला खिलाड़ियों के बीच हरियाणा स्टाइल कबड्डी मैच करवाने की भी पूरी तैयारी है। डीसी गुप्ता ने कहा यह सम्मान समारोह ऐतिहासिक होगा। बैठक के दौरान खेल मंत्री गौरव गौतम के खेल सलाहकार संदीप पराशर ने बताया कि एशियन गेम्स में हरियाणा से 14 खिलाड़ियों ने स्वर्ण, 9 खिलाड़ियों ने रजत और 9 खिलाड़ियों ने कांस्य पदक हासिल किए हैं।

मंदीप रंगा बने सहायक जिला न्यायवादी



चरखी दादरी। गांव सांवड़ निवासी मंदीप रंगा ने हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) की सहायक जिला न्यायवादी (एडीए) भर्ती परीक्षा में सफलता हासिल कर गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हाल ही में घोषित भर्ती परिणाम में चयनित होने पर परिवार में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने मंदीप और उनके परिजनों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंदीप पुत्र अशानंद ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव सांवड़ के सरकारी विद्यालय से प्राप्त की। उन्होंने वर्ष 2017 में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद कानून के क्षेत्र में करियर बनाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए महर्षि दयानंद विवि रोहतक के विधि विभाग से एलएलबी और एलएलएम की डिग्री हासिल की। वर्तमान में वह दादरी न्यायालय में पंजीकृत हैं। मंदीप की उपलब्धि परिवार के संघर्ष और शिक्षा के प्रति समर्पण की प्रेरक मिसाल है। उनके दादा स्व. रूपचंद मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके पिता अशानंद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में सेवाएं दे रहे हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। मंदीप ने सफलता का श्रेय राष्ट्रीय विधि विवि, सोनीपत के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुंदर सिंह धानिया, अपने बड़े भाई एडवोकेट मनजीत सिंह रंगा, माता-पिता, परिवार और मित्र निशांत नरवाल को दिया।



साहित्य समाज का दर्पणः डॉ. मुरलीधर

भिवानी। सांस्कृतिक और साहित्यिक चेतना की संवाहक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था शब्दाक्षर के तत्वावधान में रविवार को भिवानी में त्रिदिवसीय शब्दाक्षर हरियाणा राष्ट्रीय साहित्योत्सव 2026 का शुभारंभ हुआ। स्वामी डा. सदानंद महाराज के सान्निध्य में श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर में आयोजित हो रहे इस महाकुंभ ने भिवानी को देश के साहित्यिक पटल पर एक नई और गौरवशाली पहचान दिला दी है। मुख्यातिथि डॉ. मुरलीधर द्विवेदी ने कहा कि शब्दाक्षर एक ऐसा राष्ट्रीय साहित्यिक संस्थान है, जिसमें पूरे भारतवर्ष के लगभग 25 प्रदेशों के साहित्यकारों ने यहां उपस्थित होकर अपनी साहित्य साधना की है। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और दर्पण समाज को सही दिशा दिखाने तथा मार्गदर्शन करने का कार्य करता है। इस अवसर पर पत्रिका का लोकार्पण भी किया गया।